समाज कल्याण विभाग ने कार्ययोजना तैयार की, सरकार की मुहर का इंतजार

अब आंगनबाड़ी केंद्रों को अनाज

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

आंगनबाड़ी केन्द्रों को टेक होम राशन (टीएचआर) और पोषाहार के लिए अनाज दिया जाएगा। पहले इसके लिए 10 हजार रुपए महीने में दिए जाते थे। मिली जानकारी के अनुसार, समाज कल्याण विभाग ने इससे संबंधित कार्ययोजना तैयार कर ली है। इस पर सरकार की मुहर लगने वाली है।

विभाग यह अनाज एफसीआई के सरकारी गोदामों से खरीदेगा। इसके बाद सभी केन्द्रों को उनकी जरूरत के हिसाब से भेज दिया जाएगा। टीएचआर के दिन सहायिका और सेविका को लोगों के सामने इस अनाज को पैक करके सिर्फ बांटना होगा। फिलहाल इस योजना को सभी डिवीजन के दो प्रखंडों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया जाएगा। बाद में इसे सभी 80 हजार 574 आंगनबाड़ी केन्द्रों में शुरू कर दिया जाएगा।

नई पहल

- समाज कल्याण विभाग एफसीआई से खरीदेगा सरकारी दर पर अनाज
- केन्द्रों को महीने में मिलने वाले 10 हजार रुपए पर लगेगी रोक
- हर डिविजन के दो प्रखंडों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर होगी योजना शुरू

विभाग हर परियोजना में एक केन्द्र को मॉडल केन्द्र के रूप में विकसित करने की कवायद में जुटा हुआ है। मॉडल केन्द्र का अपना भवन के अलावा यहां से मुहैया होने वाली तमाम छह सुविधाएं समूचित रूप से दी जाएंगी। इस वजह से भी इस तरह की पहल की जा रही है।

जो शिकायतें रही हैं

आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थिति सुधारने के लिए वार-फूट स्तर पर जांच और सामाजिक अंकेक्षण शुरू किया गया है। इस दौरान सबसे ज्यादा शिकायत टीएचआर में अनाज कम बांटने और पोषाहार नहीं देने की पायी गई। उधर, सहायिका-सेविकाओं की दलील रहती थी कि बाजार में अनाज की कीमत में बढ़ोतरी होने से इतने रुपए में सभी लोगों के लिए अनाज मुहैया कराना मुश्किल होता है। इन्हीं परेशानियों के मद्देनजर विभाग ने यह पहल की है।

हिन्दुस्तान नया नजरिया

आंगनबाड़ी केन्द्रों को लेकर तमाम तरह की शिकायतें रही हैं। ज्यादातर केन्द्र के नियमित नहीं खुलने की शिकायत भी रही है। पोषाहार मद की राशि से अनाज खरीद बहुत कम केन्द्रों पर होते हैं। ऐसे में अनाज की आपूर्ति होने पर यह लाभुकों की नजर में रहेगा। गड़बड़ी छुप नहीं पाएगी। अनाज आने पर लाभुकों को पोषाहार मिल पाएगा। एफसीआई से सरकारी दर पर अनाज खरीदने से विभाग को बचत भी होगी और ज्यादा लोगों को निर्धारित मात्रा में अच्छा अनाज मिल सकेगा।